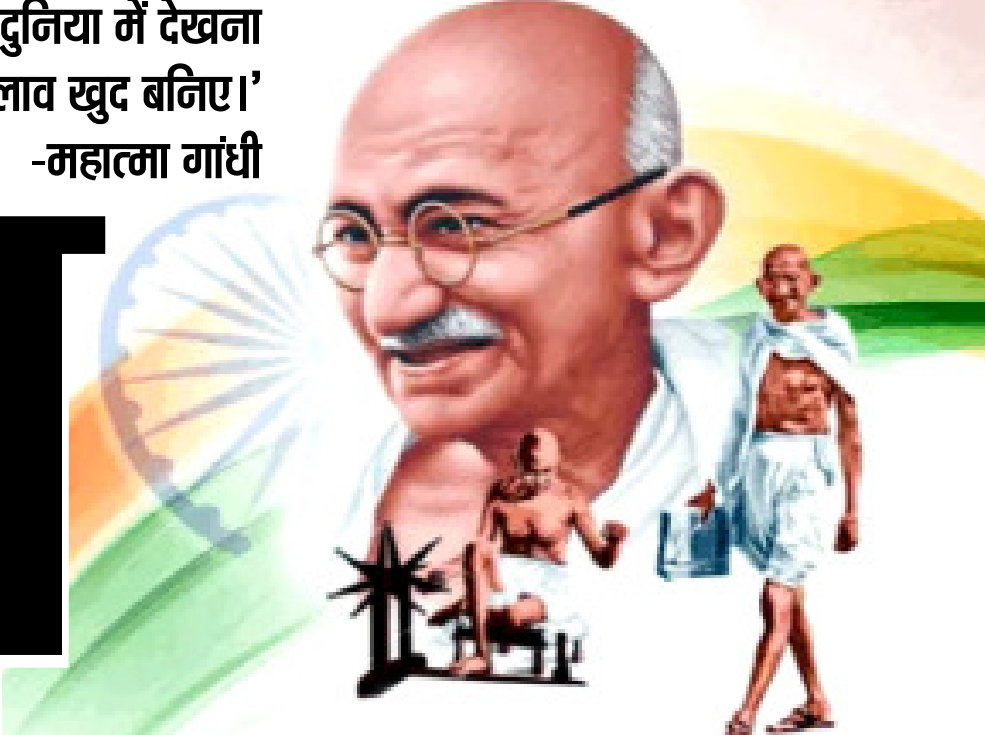











ISVR TECHNOLOGIES

INNOVATIVE WEB SOLUTIONS & VISION REDEFINED

Are you Looking for

Website Developer ?

We are Happy to Help!

Get Your Dream Website Ready,
Pay in Easy Installments!

EMI Available





info@isvr.com
www.isvr.com



Call Us
+91 89686-51976

नियमित स्वैच्छिक रक्तदान को ‘जन-आंदोलन’ बनाने का प्रशासक ने किया आह्वान

पैगाम-ऐ-जगत
चंडीगढ़, 1 अक्टूबर
(हरमिंदर सिंह नागपाल)
पंजाब के राज्यपाल और यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज नागरिकों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने और इसे एक निरंतर सामाजिक आंदोलन बनाने का आह्वान किया। यह कार्यक्रम ‘राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस’ के अवसर पर जीएमसीएच-32 द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग ने ज़रूरतमंद मरीजों को समय पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराने में स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व के बारे में बताया।

प्रशासक ने कार्यक्रम में मौजूद युवाओं, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों और अन्य प्रतिभागियों को स्वैच्छिक रक्तदान करने की शपथ भी दिलाई। चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के साथ-साथ थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए नियमित रूप से रक्तदान करने



वाले रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा, जिन परिवारों ने मेडिकल छात्रों की पढ़ाई और प्रशिक्षण के लिए अपने दिवंगत रिश्तेदारों के पार्थिव शरीर जीएमसीएच, चंडीगढ़ को दान किए थे, उन्हें भी सम्मानित किया गया। प्रशासक ने बताया कि चंडीगढ़ ने 2025-26 के दौरान 1,028 स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किए और 1,06,064 यूनिट रक्त एकत्र किया, जिससे वह लगातार चौथे वर्ष स्वैच्छिक रक्तदान में सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश होने का पुरस्कार बरकरार रखने में सफल रहा।

युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए श्री कटारिया ने नागरिकों, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों,

सामाजिक और धार्मिक संगठनों तथा गैर-सरकारी संगठनों से नियमित स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और इससे जुड़ी गलत धारणाओं को दूर करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रक्त का निर्माण नहीं किया जा सकता और स्वैच्छिक रक्तदाता ही इसका एकमात्र मानवीय स्रोत हैं। उन्होंने सभी से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि रक्त की उपलब्धता न होने के कारण किसी भी मरीज का उपचार प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ की पहचान केवल एक आधुनिक, स्वच्छ और सुंदर शहर के रूप में ही नहीं, बल्कि स्वैच्छिक रक्तदान, निस्वार्थ सेवा और मानवीय जिम्मेदारी की मजबूत संस्कृति वाले

शहर के रूप में भी होनी चाहिए। स्वैच्छिक रक्तदान ज़रूरतमंद मरीजों के लिए उचित मात्रा में सुरक्षित रक्त की उपलब्धता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सर्जरी और मेडिकल आपात स्थितियों के अलावा प्रसव के दौरान जटिलताओं के कारण अधिक रक्त की आवश्यकता वाली महिलाओं, गंभीर एनीमिया से पीड़ित बच्चों और थैलेसीमिया, हीमोफीलिया तथा अन्य रक्त संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों के उपचार में भी रक्त की नियमित आवश्यकता होती है। इस अवसर पर स्वास्थ्य सचिव श्री मनदीप सिंह बराड़; डायरेक्टर प्रिंसिपल प्रोफेसर रक्तांत कौर; संयुक्त निदेशक डॉ. अतुल धकने; और मेडिकल सुपरिटेण्डेंट प्रोफेसर विशाल गुगलानी भी उपस्थित थे। प्रशासक ने स्वैच्छिक रक्तदाताओं, जीएमसीएच-32 के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के डॉक्टरों, तकनीकी और नर्सिंग स्टाफ तथा पूरे वर्ष रक्तदान शिविर आयोजित करने वाले संगठनों के योगदान की सराहना की।

महिला आयोग की चेयरपर्सन ने एक स्कूल और एक अस्पताल का किया निरीक्षण

पैगाम-ऐ-जगत
अंबाला, 1 अक्टूबर (आर. सिंह)
गुवागोर की हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन श्रीमती ऊषा प्रियदर्शी ने पीकेआर जैन पब्लिक स्कूल अंबाला शहर और सी. लाल अस्पताल अंबाला छावनी का आचानक दौरा कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया और आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

महिला आयोग की चेयरपर्सन श्रीमती ऊषा प्रियदर्शी सबसे पहले पीकेआर जैन पब्लिक स्कूल अंबाला शहर पहुंची और स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं की संख्या, स्टॉफ की संख्या, शौचालय सुविधाओं, पीने के पानी की सुविधाओं, अग्निशमन यंत्रों, पॉक्सो एक्ट के तहत एक आंतरिक समिति के गठन और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में पृष्ठताछ की। उन्होंने स्कूल प्रिंसिपल को यह भी निर्देश दिया कि वह यह सुनिश्चित करें कि समिति के सदस्य और वहां



पढ़ने वाली छात्राएं दोनों पॉक्सो एक्ट से परिचित हों। इसके अलावा स्कूल में शिक्षा के अधिकार से संबंधित एक पूरा बॉक्स और एक बोर्ड होना चाहिए। उन्होंने यह भी ताकीद की कि विद्यार्थियों को उनके अधिकारों और कानून के बारे में जागरूक करने के लिए समय-समय पर जागरूकता शिविर लगाए जाएं चाहिए।

इसके बाद महिला आयोग की चेयरपर्सन अंबाला छावनी स्थित सी. लाल अस्पताल पहुंचीं

और वहां की सुविधाओं का विस्तार से जायजा लिया। यहां उन्होंने पॉक्सो एक्ट के तहत एक आंतरिक समिति की स्थापना के निर्देश भी दिए, जिसमें अग्निशमन यंत्र, महिलाओं के लिए अलग शौचालय और कमरों में वेंटिलेशन की कमी सहित अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया।

इस अवसर पर चेयरपर्सन ने कहा कि हरियाणा राज्य महिला आयोग का उद्देश्य तथ्यों के आधार पर महिलाओं से संबंधित शिकायतों का तुरंत और कानूनी समाधान सुनिश्चित करना है।

उन्होंने यह भी कहा कि आयोग को पेश की गई प्रत्येक शिकायत में सभी संबंधित पक्षों की सुनने के बाद उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कानून के अनुसार कार्रवाई करने का प्रयास किया जाता है। इस अवसर पर डिप्टी सुपरिटेण्डेंट जितेंद्र और महिला आयोग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जेलों में अपनी सजा पूरी कर चुके बंदी सिंहों की रिहाई की मांग को लेकर रतिया में रोष मार्च 5 अक्टूबर को

पैगाम-ऐ-जगत/रतिया
30 सितंबर (एडवोकेट गुरप्रीत सिंह मंडेर)
जेलों में अपनी सजा पूरी कर चुके बंदी सिंहों की रिहाई की मांग को लेकर रतिया की सिख संगत द्वारा 5 अक्टूबर को शहर में शांतिपूर्ण पैदल रोष मार्च निकाला जाएगा। इस कार्यक्रम की तैयारियों और आगामी रूपरेखा को लेकर गुरुद्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब रतिया में अहम बैठक आयोजित की गई।

बैठक में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेट्री के सदस्यों सहित विभिन्न सिख संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान 5 अक्टूबर को होने वाले रोष मार्च की तैयारियों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान एक कमेट्री का गठन भी किया गया, जो अलग-अलग स्टांों पर जाकर आसपास के गांवों में स्थित गुरुद्वारा साहिब की प्रबंधक कमेटियों और सिख संगत से संपर्क कर रोष मार्च में शामिल होने की अपील करेगी।

बैठक में जतथेदार काका सिंह लधुवास,



जथेदार इकबाल सिंह खोखर, जथेदार गुरमेल सिंह सहनाल (हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेट्री के सदस्य) ने

कहा कि कई बंदी सिंह अपनी निष्ठा सजाएं पूरी कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी रिहाई नहीं की जा रही है। इस मुद्दे को लेकर सिख संगत में रोष है और इसी के चलते 5 अक्टूबर को शांतिपूर्ण रोष मार्च आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रोष मार्च गुरुद्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब, पुराना बाजार से शुरू होकर तहसील कार्यालय तक जाएगा। यहां

प्रशासन को राष्ट्रपति के नाम बंदी सिंहों की रिहाई की मांग से संबंधित जापन सौंपा जाएगा।।

वक्ताओं ने सभी सिख संगठनों से अपील की वह 5 अक्टूबर को होने वाले उन्होंने क्षेत्र के सभी सिख संगठनों, निहंग जथेबंदियों, धार्मिक संस्थाओं और सिख संगत से अपील की कि इस पैदल रोष मार्च में बड़-चूकर शामिल हों।

बैठक में जरनैल सिंह, फतेह सिंह भुल्लर, जगसीर सिंह, गुश्चरन सिंह, सतनाम सिंह लॉबा, निर्मल सिंह बाड़ा, गुरप्यार सिंह बाड़ा, रूप सिंह सहित गुरुद्वारा साहिब के मैनेजर मौजूद रहे।

गुरु नानक प्राइमरी स्कूल के बच्चों ने गांव कमाना के गुरुद्वारा साहिब के दर्शन हेतु धार्मिक भ्रमण किया

पैगाम-ऐ-जगत/रतिया,
1 अक्टूबर (एडवोकेट गुरप्रीत सिंह मंडेर)
रतिया के मड़ कॉलोनी स्थित गुरु नानक प्राइमरी स्कूल के बच्चों द्वारा विद्यार्थियों को आध्यात्मिक एवं धार्मिक मूल्यों से परिचित करवाने के उद्देश्य से कल बच्चों को गांव कमाना के गुरुद्वारा साहिब के दर्शन करवाने के लिए ले जाया गया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों ने श्रद्धापूर्वक माथा टेका एवं गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस धार्मिक भ्रमण के माध्यम से बच्चों को गुरुओं की शिक्षाओं, सेवा, सिमरन, समानता एवं



मानवता के मूल्यों को समझने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने पूरे

शलेंद्र रोमी गोस्वामी, सोनिया मदान तथा प्रधानाचार्य श्री सुशील कुमार का विशेष मार्गदर्शन रहा। विद्यार्थियों के साथ विद्यालय के शिक्षकगण ज्योति कंबोज, कुलवीर कौर, मंजू मोंगा, जशान, मनप्रीत, आरती, जसवंत, मंदीप, अलीशा सचदेवा,आरती, एवं दीपिका उपस्थित रहे और उन्होंने बच्चों की देखभाल एवं मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार, नैतिक मूल्य, अनुशासन एवं आध्यात्मिक चेतना प्रदान करना है।

कुंगड़त और चड़तगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ऊना, 1 अक्टूबर
(पैगाम-ऐ-जगत)
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊना ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के वरिष्ठ नागरिकों को विधिक सेवाएं योजना 2016 के तहत विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह कार्यक्रम विकासखंड ऊना के चड़तगढ़ और हरोली विकास खंड के कुंगड़त में आयोजित हुए। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊना की सचिव शिक्षा लखनपाल ने दी। उन्होंने बताया कि इन जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों एवं उपलब्ध विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना है।



इस कड़ी में पहला कार्यक्रम वृद्धाश्रम चड़तगढ़ में उप मुख्य विधिक सहायता बचाव अधिकवक्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊना द्वारा आयोजित किया गया। इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं, निःशुल्क विधिक सहायता तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में जानकारी दी गई। वहीं, दूसरा कार्यक्रम विकास खंड हरोली के कुंगड़त में जागृति इकाई द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिकवक्ता नीरज कुमार एवं अवतार कौर और पैरा विधिक स्वयंसेवी को उनके वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारों, कल्याणकारी प्रावधानों, निःशुल्क विधिक सहायता तथा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में जागरूक किया।

इस कड़ी में पहला कार्यक्रम वृद्धाश्रम चड़तगढ़ में उप मुख्य विधिक सहायता बचाव अधिकवक्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊना द्वारा आयोजित किया गया। इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं, निःशुल्क विधिक सहायता तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में जानकारी दी गई। वहीं, दूसरा कार्यक्रम विकास खंड हरोली के कुंगड़त में जागृति इकाई द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिकवक्ता नीरज कुमार एवं अवतार कौर और पैरा विधिक स्वयंसेवी को उनके वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारों, कल्याणकारी प्रावधानों, निःशुल्क विधिक सहायता तथा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में जागरूक किया।

एडीसी लक्षित सरीन की अध्यक्षता में एसडी महिला महाविद्यालय के सभागार में ग्राम स्तरीय टास्क फोर्स कमेटियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक आयोजित

पैगाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गांवड़ी)
फसल अवशेष जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम तथा फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। इसी कड़ी में एसडी महिला महाविद्यालय, हांसी के सभागार में ग्राम



• **धान की पराली जलाने की घटनाओं पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए ग्राम स्तरीय टास्क फोर्स रखेंगी पैनी नजर**

स्तरीय टास्क फोर्स कमेटियों में शामिल अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने की। बैठक में हांसी, नारनौद तथा बास क्षेत्रों में फसल अवशेष जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए गठित निगरानी कमेटियों के कार्यों एवं अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में हांसी, नारनौद और बास क्षेत्रों के लिए कुल 97 निगरानी कमेटियां गठित की गईं। प्रत्येक कमेटी में पटवारी, ग्राम सचिव, पुलिस विभाग के एक कर्मचारी तथा कृषि विभाग के एक कर्मचारी को शामिल किया गया है। इन कमेटियों की अपने-अपने निर्धारित गांव एवं क्षेत्र में नियमित रूप से निगरानी रखने तथा खेतों में फसल अवशेष जलाने की किसी भी घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

हर स्तर पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश
अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में नियमित रूप से

भ्रमण करें और फसल अवशेष जलाने की घटनाओं पर पैनी नजर रखें। उन्होंने कहा कि निगरानी कमेटियां अपने क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों का उचित रिकॉर्ड एवं रिपोर्ट तैयार रखें तथा किसी भी घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को तत्काल उपलब्ध करवाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निगरानी व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष जलाने की रोकथाम को अति आवश्यक कार्य मानते हुए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी निष्ठा, गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ड्यूटी में किसी भी प्रकार की कोताही अथवा लापरवाही सामने आने पर संबंधित निगरानी कमेटी के कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसानों को जागरूक करने पर भी दिया जोर
अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि फसल अवशेष जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए केवल निगरानी और कार्रवाई ही नहीं, बल्कि किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के प्रति जागरूक करना भी आवश्यक है। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए उपलब्ध तकनीकों, कृषि यंत्रों एवं अन्य साधनों

की जानकारी दी जाए तथा उन्हें पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया जाए।

उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए फसल स्तर तक प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करें। ग्राम स्तरीय टास्क फोर्स में शामिल अधिकारी एवं कर्मचारी अपने क्षेत्र के किसानों से निरंतर संपर्क बनाए रखें और उन्हें फसल अवशेषों को खेत में मिलाने तथा अन्य वैज्ञानिक प्रबंधन उपायों के बारे में जानकारी दें।

अधिकारियों ने अब तक की कार्रवाई एवं निगरानी व्यवस्था की दी जानकारी
बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में फसल अवशेष प्रबंधन एवं निगरानी व्यवस्था के तहत अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी गई। अतिरिक्त उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्रों में निगरानी के साथ-साथ जागरूकता गतिविधियों को भी निरंतर जारी रखें और फसल अवशेष जलाने की घटनाओं की सूचना, निरीक्षण तथा कार्रवाई से संबंधित रिकॉर्ड व्यवस्थित रूप से तैयार रखें।

बैठक में डीएसपी विनोद शंकर भारद्वाज, बीडीपीओ अशोक मेहरा, एसएमएस डॉ. आरती, एसएमएस एग्रो डॉ. प्रीति वर्मा, एसएमएस डॉ. रॉबिन, तकनीकी सहायक डॉ. विकास सिंह सहित कृषि, राजस्व, विकास एवं पंचायत, पुलिस तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सितंबर में सालाना आधार पर 100 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ निसान की बिक्री में दिखी तेजी



चंडीगढ़, (पैगाम-ऐ-जगत)

निसान मोटर इंडिया ने आज सितंबर, 2026 में कुल 10,025 यूनिट की होलसेल बिक्री का ऐलान किया। इनमें से घरेलू बाजार में 3,300 और निर्यात बाजार में 6,725 यूनिट्स की बिक्री हुई। बीते महीने कंपनी ने घरेलू बाजार में बिक्री में जबरदस्त तेजी दर्ज की। घरेलू बाजार में सितंबर, 2025 में 1,652 यूनिट्स की तुलना में सितंबर, 2026 में सालाना आधार पर 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। नई निसान टैक्टॉन, मैग्नाइट और ग्रेवइट के साथ निसान के बढ़ते रसदयूरी पोर्टफोलियो को लेकर ग्राहकों की ओर से मजबूत मांग और लगातार बढ़ते डीलर नेटवर्क से यह बेहतरीन प्रदर्शन संभव हुआ है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर लोभ वत्स ने कहा, सितंबर में घरेलू बाजार में हमारी बिक्री सालाना आधार पर कटीब दोगुनी हो गई। यह शानदार प्रदर्शन निसान की प्रोडक्ट केंद्रित रणनीति, हमारे नेटवर्क की मजबूती एवं बढ़ी हुई क्षमता, फाइनैस एवं बिजनेस पार्टनर्स के योगदान और निसान ब्रांड में भारतीय ग्राहकों के लगातार बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाते वाला है। घरेलू बाजार में बढ़ती बिक्री से हमें भारत में विस्तार करने का एक मजबूत आधार मिला है। निसान ने सितंबर, 2026 में निर्यात बाजारों में कुल 6,725 यूनिट्स की बिक्री की। इस प्रदर्शन के साथ कंपनी ने भारत से अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में ग्राहकों को शानदार सर्विस देने की अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखा है।

बीएसएनएल ने अपना स्थापना दिवस मनाया

पैगाम-ऐ-जगत/अंबाला
1 अक्टूबर (आर. सिंह)
बीएसएनएल ने आज अपना 26वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर हरियाणा टेलीकॉम सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) सुरेश कुमार ने बीएसएनएल की सेवाओं और ग्राहकों के लिए पेश की जा रही नई सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल का मुख्य लक्ष्य जनता को किफायती, पारदर्शी और उत्कृष्ट दूरसंचार सेवाएं प्रदान करना है। स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक सुरेश कुमार ने दो नए उत्पाद लॉन्च किए। उन्होंने कहा कि पहला उत्पाद 202 रुपये का टैरिफ वाउचर है। यह वाउचर ग्राहकों को 10,000 रुपये तक का साइबर



धोखाधड़ी बीमा प्रदान करेगा। दूसरा उत्पाद 2,499 रुपये का वार्षिक प्लान है, जिसमें 1 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा शामिल है। इसके अलावा ग्राहकों को उनकी ज़रूरतों और पसंद के आधार पर हर महीने अपनी योजनाओं को समायोजित करने के लिए टोकन प्रदान किए जाएंगे। इससे ग्राहकों को अपनी ज़रूरतों के अनुसार बदलाव करते हुए एक ही प्लान की सुविधाओं का

उपयोग करने की अनुमति मिलेगी। मुख्य महाप्रबंधक ने यह भी बताया कि बीएसएनएल एफटीडीएच ग्राहकों के लिए ओटीटी प्लान में एक नई सुविधा पेश कर रहा है। इसके तहत ग्राहक टोकन प्रणाली के माध्यम से अपने पसंदीदा ओटीटी प्लान को चुनने और बदलने में सक्षम होंगे। टोकन की वैधता एक महीने की होगी, जबकि कुछ ओटीटी प्लान एक वर्ष की वैधता

के साथ भी उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि इस सुविधा का उद्देश्य ग्राहकों को अपनी पसंदीदा सेवाओं का चयन करने में अधिक लचीलापन देना है। सुरेश कुमार ने कहा कि बीएसएनएल के नेटवर्क में सुधार से कंपनी के सिम और डेटा के उपयोग में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल अपने ग्राहकों की ज़रूरतों के अनुसार अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है। स्थापना दिवस के अवसर पर आम लोगों तक बीएसएनएल की सेवाओं, नए उत्पादों और सुविधाओं के बारे में जानकारी पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके तहत रोड शो के साथ-साथ पांच किलोमीटर मैराथन भी आयोजित की जा रही है।

गांधी-शास्त्री जयंती पर जागो संस्था शुरू करेगी त्यवस्था परिवर्तन अभियान

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में 2 अक्टूबर से कार्यक्रम, 23 जनवरी तक विभिन्न मुद्दों पर चलेगा अभियान

पैगाम-ऐ-जगत
फतेहगढ़, 1 सितंबर
(एडवोकेट एडवोकेट गुरप्रीत सिंह मंडेर)
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर जागो संस्था की ओर से 2 अक्टूबर से व्यवस्था परिवर्तन अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान की शुरुआत पीडब्ल्यूडी के पुराने रेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम से होगी। संस्था के अनुसार यह अभियान 23 जनवरी तक जारी रहेगा। अभियान के दौरान समाज, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाया जाएगा।



अभियान की तैयारियों को लेकर बुधवार शाम संस्था की बैठक प्रधान देवेंद्र सिंह दहिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 2 अक्टूबर से अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि अभियान का उद्देश्य विभिन्न सामाजिक और प्रशासनिक

संस्था के प्रधान देवेंद्र सिंह दहिया ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यों और उनके आदर्शों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शास्त्री के कार्यकाल में देश ने अनेक महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना किया। उनके अनुसार शास्त्री के आदर्शों और विचारों से प्रेरणा लेकर देश में बेहतर व्यवस्था के लिए प्रयास किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि संस्था की ओर से अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े कई मुद्दों को चिह्नित किया गया है। इन्हीं

विषयों को अभियान के दौरान लोगों के सामने रखा जाएगा और उन पर चर्चा की जाएगी।
शास्त्री के कार्यों और आदर्शों का किया उल्लेख
संस्था की ओर से जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए तीन से अधिक बच्चे होने की स्थिति में नागरिकता समाप्त करने जैसी व्यवस्था लागू करने की मांग रखी गई है। भ्रष्टाचार के मामलों में दोष सिद्ध होने पर कठोर दंड और संपत्ति कुर्क करने का प्रावधान किए जाने की मांग भी संस्था ने की है। इसके साथ ही सरकारी कार्यप्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता लाने की बात कही गई है।
चुनाव व्यवस्था में बदलाव की

मांग करते हुए संस्था ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री समेत प्रमुख पदों के लिए प्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली लागू करने की मांग रखी है। संस्था का कहना है कि इससे अप्रत्यक्ष की सरकार बनने की स्थिति को रोकना जा सकेगा। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए शैक्षणिक योग्यता, अनुभव और पीईटी (पॉलिटेक्निक एलजिबिलिटी टेस्ट) अनिवार्य करने की मांग भी इसमें शामिल है।
सामाजिक मुद्दों और अवैध चुपपेठ पर भी रखे विचार
जागो संस्था ने सामाजिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को भी अपने अभियान में शामिल किया है। संस्था की ओर से लिब-इन रिलेशन व्यवस्था को निस्त करने, बिना व्यभिचार सिद्ध हुए विवाह विच्छेद पर रोक लगाने और बहुविवाह पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग रखी गई है। इसके अलावा संस्था ने एक देश-एक विधान की व्यवस्था लागू करने की मांग भी उठाई है।

